



International Behavior
Analysis Organization
Elites, Educators, Enthusiasts

आईबीएओ नैतिक दिशा- निर्देश

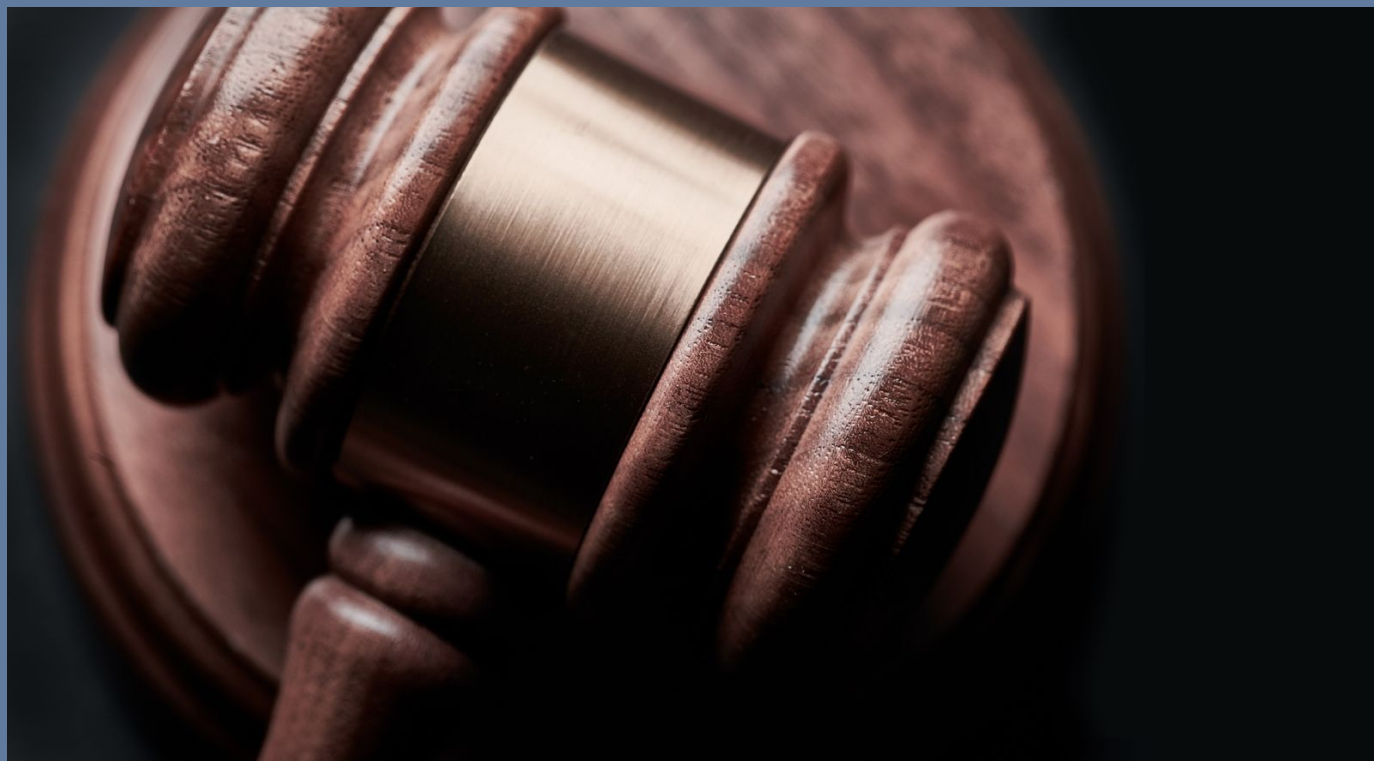
अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार विश्लेषण
संगठन, २०२१_{V100}

अनुवादक अनित छेत्री!

फरवरी २०२० में, प्रोफेशनल एडवाइजरी बॉडी ऑफ़ इंटरनेशनल बिहेवियर को कई अलग-अलग समितियों में संगठित किया गया, जिनमें से प्रत्येक को आईबीए और आईबीटी प्रमाणन के लिए 2021 की आवश्यकताओं के घटकों का निर्माण करना था। ऐसी ही एक समिति थी आचार समिति, जिसने शोध के लिए अथक परिश्रम किया, अलग-अलग व्यावसाय के विभिन्न नैतिक दिशानिर्देश, दिशानिर्देश और संहिता पढ़ें। विषय पर गहन चर्चा एवं बहस किये, इस ज्ञान का मूल उद्देश्य महत्वपूर्ण नैतिक आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए किया गया था जो दुनिया भर की विभिन्न संस्कृतियों में सार्थक हों। इस महत्वपूर्ण समिति के सदस्य उनके अथक प्रयासों, व्यावसायिकता, और विस्तार पर ध्यान देने के लिए विशेष मान्यता के पात्र हैं।

आईबीएओ आचार समिति सदस्यों

- जेसिका केली, एमएस, बीसीबीए, आईबीए - स्विट्जरलैंड
- स्टेफ़ १स्क्लज़, दीपल साइक।, बीसीबीए, आईबीए - जर्मनी,
- हीरा खान, एम.एड, आरबीटी, आईबीटी - मिस्र/पाकिस्तान
- फैन यू लिन, पीएच.डी., बीसीबीए-डी, आईबीए - चीन
- जूलियन बेल, एमएससी - यूके, बीसीबीए, आईबीए
- अलेक्जेंड्रिया विगेंड, एमएस, एमबीए, बीसीबीए, आईबीए - बहरीन
- आकांक्षा छेत्री, एमए, बीसीबीए, आईबीए - घाना
- मारिजा स्टोसिक, एमए, एसएलपी - सर्बिया
- राहेल अर्नोल्ड, एम.एड - दक्षिण कोरिया
- वेरोनिका सिरबू, एमए - मोल्दोवा गणराज्य
- रॉस लेघनर, एमए, आईबीए-ऑस्ट्रेलिया
- हेनरीट ब्रांटबर्ग, एमएससी साइक, आईबीए - डेनमार्क मोहम्मद
- एम. अल-हम्मोरी, पीएच.डी., आईबीए, सीएचपीई, आरएन - जॉर्डन ओरसोल्या
- उझेली-इल्स, एमएस, बीसीबीए, आईबीए - हंगरी
- माइकल एम. म्यूएलर, पीएच.डी., बीसीबीए-डी, आईबीए - संयुक्त राज्य अमेरिका



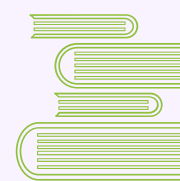
अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार विश्लेषक संगठन के नैतिक दिशानिर्देश तीन महत्वपूर्ण घटकों से बना है: दिशानिर्देश, नैतिक समस्या समाधान मॉडल, और समस्या के उपयोग के सांस्कृतिक और क्षेत्रीय उदाहरणों का एक परिशिष्ट समाधान मॉडल और दिशानिर्देशों की विभिन्न स्वयं व्याख्याएं। जैसा कि आगे विस्तारित होगा, नैतिकता हमेशा स्पष्ट नहीं होती है और एक ही स्थिति में हमेशा प्रत्येक पर लागू नहीं होती है। यह हर आईबीए और आईबीटी पर निर्भर है उनके पेशेवर जीवन के सभी पहलुओं में दिशानिर्देशों को समझें और लागू करें।



नैतिक दिशानिर्देश



नैतिक समस्या
सॉल्विंग मॉडल



उदाहरणों और
व्याख्याओं का
परिशिष्ट

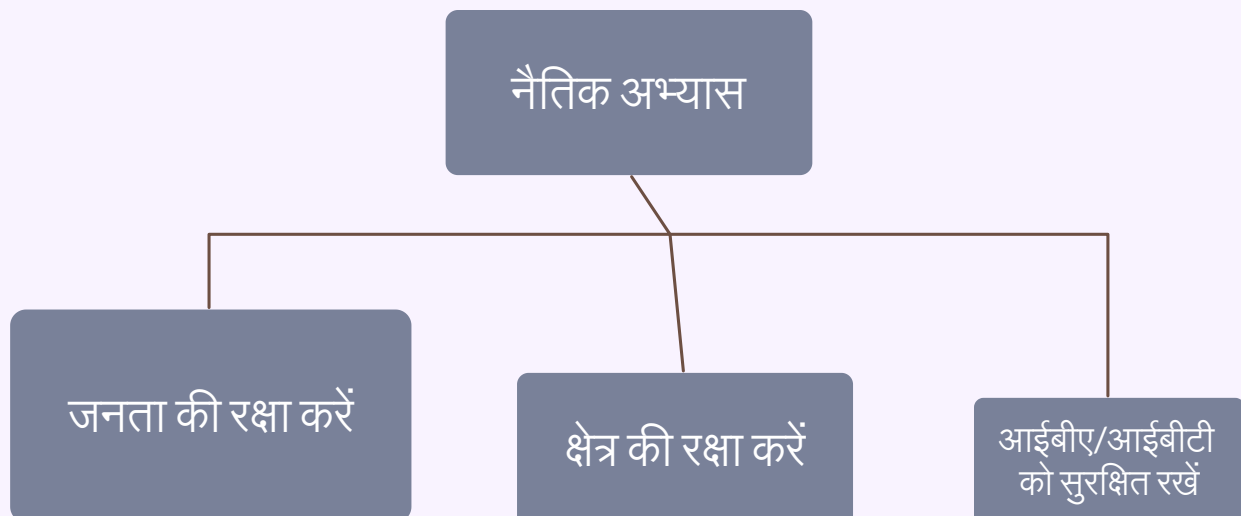
प्रस्तावना

इंटरनेशनल बिहेवियर एनालिसिस संगठन (आईबीएओ) ने इंटरनेशनल बिहेवियर एनालिस्ट्स (आईबीए) और इंटरनेशनल बिहेवियर थेरेपिस्ट (आईबीटी) के अभ्यास का मार्गदर्शन करने के लिए निम्नलिखित नैतिक सिद्धांतों की स्थापना की है। मार्गदर्शन किया जा सके। पेशेवर क्रेडेंशियल आईबीएओ के माध्यम से अपने में उच्चतम नैतिक मानकों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है जिसमें अभ्यास, पेशेवर संबंध, और जनता के साथ बातचीत करने के क्रम में कमजोर लोगों की रक्षा और एप्लाइड बिहेवियर एनालिसिस (एबीए) के क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सबसे मानवीय स्थिति में हो सके। आईबीएओ के माध्यम से प्रमाणित लोगों को अपने पेशेवर अभ्यास के दौरान हर समय निम्नलिखित नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करना आवश्यक है।

निम्नलिखित नैतिक दिशानिर्देशों का प्रकाशन मानकों का प्रमाण है जिन्हें आईबीएओ के माध्यम से मान्यता प्राप्त लोगों द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। हमारे आकांक्षी सिद्धांत का जन जागरूकता अपेक्षाएं निर्धारित करते हैं जिसे प्रत्येक आईबीए और आईबीटी प्रमाणन प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण की अपनी दीक्षा का पालन करने के लिए सहमत हैं और जब तक क्रेडेंशियल बनाए रखा जाता है।

आईबीएओ नैतिक दिशानिर्देश सभी समायोजन और स्थितियों में नियोजित होने के निर्देश हैं। इन दिशानिर्देशों को ऐसे नियोजित करना चाहिए ताकि उपभोक्ताओं की रक्षा की सर्वप्रथम की जा सके साथ ही साथ एबीए, आईबीए/आईबीटी की हर संभव क्षेत्र की रक्षा करना। आईबीएओ ने रोसेनबर्ग और श्वार्ट्ज (२०१८) का काम के आधार पर एक नैतिक समस्या समाधान मॉडल अपनाया है। अनम्य के बजाय हर समय सभी परिस्थितियों में नैतिक नियम, आईबीए/आईबीटी को एक सामान्य ज्ञान लागू करना चाहिए मॉडल (उच्च व्यक्तिगत/नैतिक मानकों के साथ) यह तय करने के लिए कि क्या करना है विभिन्न परिस्थितियाँ जिनमें विभिन्न मार्गदर्शक परस्पर विरोधी दिखाई दे सकते हैं। इन नैतिक दिशानिर्देशों का, समग्र रूप से, हर समय पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, वे कैसे पालन किया जाए वह संदर्भ और स्थिति के साथ बदल सकते हैं। समस्या समाधान मॉडल और इसे कैसे लागू किया जाए इसका एक उदाहरण नैतिक दिशानिर्देशों के अंत में दिया गया है। आईबीएओ नैतिकता सलाहकारों से बनी एक नैतिकता समिति बनाए रखेगा, जिससे एक समाधान खोजने में सहायता के लिए संपर्क किया जा सकता है जो सभी शामिल लोगों के सर्वोत्तम हित में हो।

रोसेनबर्ग, एन.ई., श्वार्ट्ज, आई.एस. मार्गदर्शन या अनुपालन: क्या एक नैतिक व्यवहार विश्लेषक बनता है? व्यवहार विश्लेषण अभ्यास 12, 473-482 (2018)।



१. ग्राहक अधिकारों और गरिमा को बढ़ावा देना

१.१. प्रमाणपत्रकर्ताओं को ग्राहकों के साथ हर समय सम्मान से पेश आना चाहिए और ग्राहकों की गरिमा को बनाए रखना चाहिए। जब भी संभव हो ग्राहकों की प्राथमिकताओं को शामिल किया जाना चाहिए। सभी सेवाएं करुणा के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

१.२. कोई नुकसान न हो और ग्राहक की सुरक्षा करें। सभी परस्पर क्रिया और सेवाएं सावधानी के साथ ग्राहकों को नुकसान से बचाने के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए। वितरित करने के लिए प्रमाणपत्र जिम्मेदार हैं इस तरह से सेवाएं जो ग्राहक और उनके पर्यावरण के लिए सकारात्मक बदलाव लाती हैं और उनकी भावनात्मक भलाई के लिए काम करती हैं।

१.३. उपचार संबंधी निर्णय लेते समय, प्रभावी हस्तक्षेप सबसे अधिक होना चाहिए लेकिन यह कम से कम आक्रामक हो।

१.४. प्रमाणपत्रों को सेवाओं के जोखिमों और लाभों पर भी चर्चा करनी चाहिए और इसकी लिखित अनुमति प्राप्त करना चाहिए, सेवाओं के लिए सूचित सहमति, व्यवहार मूल्यांकन, व्यवहार संबंधी हस्तक्षेप, गोपनीय जानकारी, सेवा परिवर्तन, ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग का आदान-प्रदान, और डेटा साझा करना।

१.५. प्रमाणपत्रकर्ता ग्राहक की गोपनीयता का सम्मान करते हैं और ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा करते हैं। गोपनीयता तभी भंग होनी चाहिए जब संदिग्ध दुर्यवहार/उपेक्षा हो, चिकित्सा आवश्यकता (उदाहरण के लिए, एक चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान निदान की रिपोर्ट करना), जब ग्राहक खतरे का आसन्न जोखिम का सामना करना पड़ता है, या जब कानूनी रूप से बाध्य होता है। अगर कानून की आवश्यकता है, गोपनीयता भंग करने के लिए प्रमाणित, प्रमाणपत्र केवल प्रासंगिक जारी कर सकता है।

१.६. प्रमाणपत्र सुरक्षित जानकारी को संग्रहीत और रिकॉर्ड करते हैं। कम से कम ७ वर्ष और उससे अधिक के लिए यदि स्थानीय विनियम ७ वर्ष से अधिक का आदेश देते हैं। इन रिकॉर्ड में आकलन, प्रत्यक्ष उपभोक्ता बातचीत जैसे कि शामिल हो सकते हैं: अवलोकन संबंधी नोट लेना, सत्र के बाद के सारांश, देखभाल करने वाले साक्षात्कार, आदि भी संगठनात्मक, वित्तीय और संविदात्मक दस्तावेज के रूप में। ग्राहकों का अधिकार है उनके रिकॉर्ड तक पहुंचें और उनके रिकॉर्ड को साझा करने के लिए उनकी सहमति आवश्यक है तीसरे पक्ष (जैसे, शामिल पेशेवर)।

२. विविधता का सम्मान करें

२.१ प्रमाणपत्र निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध होकर मानवीय समानता को बढ़ावा देते हैं। किसी भी व्यक्ति की विकलांगता के साथ भेदभाव किए बिना सेवा प्रावधान से संबंधित, जाति, राष्ट्रीयता, लिंग, यौन अभिविन्यास, धार्मिक विश्वास, आयु, या सामाजिक-आर्थिक स्थिति। प्रमाणपत्रकर्ता ग्राहकों के साथ समान व्यवहार करते हैं और प्रत्येक ग्राहक से एक व्यक्ति के रूप में संपर्क करते हैं।

२.२ प्रमाणपत्रकर्ता उन सांस्कृतिक प्रथाओं का सम्मान करते हैं जो स्वयं से भिन्न हैं। कब उपभोक्ताओं और अन्य पेशेवरों के साथ काम करना जिनके पास विश्वास, मूल्य हैं, और सांस्कृतिक मानदंड जो प्रमाण पत्र से अलग हैं, प्रयास किए जाएंगे सुनिश्चित करें कि सेवाओं को समझ, सहिष्णुता और सम्मान के साथ प्रदान किया जाता है मतभेद। परीक्षार्थी जांच करने और हटाने की अपनी जिम्मेदारी समझते हैं व्यक्तिगत पूर्वाग्रह जो वस्तुनिष्ठ सेवा प्रावधान में हस्तक्षेप कर सकते हैं।

२.३ उपभोक्ता और प्रमाणपत्र के बीच चाहे जो भी अंतर हो, प्रमाणित करने वालों को हमेशा वस्तुनिष्ठ होने का प्रयास करना चाहिए और देखभाल की उच्च गुणवत्ता प्रदान करनी चाहिए पूर्ण व्यावसायिकता के साथ। यदि किसी कारण से निष्पक्षता या निर्णय बिगड़ा हुआ है, प्रमाणपत्रों को सेवाओं के अपने प्रावधान पर पुनर्विचार करना चाहिए।

३. योग्यता और उत्कृष्टता

३.१ प्रमाणपत्र ईमानदार हैं और सेवा वितरण में इस गुणवत्ता पेशेवर रिश्तों, और व्यापार और वाणिज्यिक प्रयासों में बढ़ावा देते हैं।

३.२ प्रमाण-पत्र उन सूचनाओं और सेवाओं को प्रदान करके सत्यनिष्ठा प्रदर्शित करते हैं जिन पर उपचार को सूचित करने के लिए पीयर-रिव्यू किए गए शोध परिणाम, डेटा और व्यवहार सिद्धांत निर्णय भरोसा किया जाता है।

३.३ सुरक्षा प्राथमिकता है। ग्राहकों की सुरक्षा के लिए सेवाओं को सुरक्षित रूप से प्रदान किया जाना चाहिए। अगर ग्राहक की सुरक्षा खतरे में है, प्रमाणपत्र तत्काल सेवा बंद कर देगा और सेवाओं को जारी रखने से पहले असुरक्षित स्थिति को दूर करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। सर्टिफिकेटर्स को व्यवहारिक हस्तक्षेपों की संभावित सीमाओं के बारे में पता होता है।

३.४ प्रमाणपत्र योग्यता/विशेषज्ञता की सीमा के भीतर काम करते हैं। वे केवल ऐसी सेवाएं प्रदान करें जो उनके शैक्षिक, पर्यवेक्षित प्रशिक्षण और अनुभवजन्य इतिहास के साथ संरेखित हों। किसी के प्रशिक्षण इतिहास के बाहर अभ्यास करने के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण की आवश्यकता है।

३. योग्यता और उत्कृष्टता (जारी)

३.५. क्षमता में सुधार/उत्कृष्टता का पीछा करें। सर्टिफिकेटर्स को व्यवहार विश्लेषण और नैतिक कार्यान्वयन में उनके ज्ञान के आधार में सुधार करना सेवाओं का लगातार तलाश करनी चाहिए। पेशेवर विषयों को सीखने और बनाए रखने के लिए अनुमोदित सतत शिक्षा (सीई) घटनाओं के माध्यम से सर्टिफिकेटर्स आगे बढ़ेंगे। प्रमाण पत्र वर्तमान में बने रहने के लिए संपादन के साधन, आवश्यक सीई घटनाओं से परे, क्षेत्र में और आचार विचार का पीछा करते हैं।

३.६. वैज्ञानिक अभ्यास। सर्टिफिकेट व्यवहार आकलन, व्यवहार परिवर्तन प्रक्रियाएं, और अन्य सभी व्यवहार विश्लेषणात्मक गतिविधियां में डेटा-आधारित निर्णय लेते हैं। सभी मूल्यांकन, हस्तक्षेप और अन्य व्यवहार प्रक्रियाएं व्यवहार विश्लेषण सिद्धांत या प्रकाशित व्यवहार विश्लेषण साहित्य से व्युत्पन्न होनी चाहिए। शोधार्थियों को शोध में और व्यवहार में एकल-मामले वाले प्रायोगिक डिजाइनों के उपयोग पर भरोसा करना चाहिए ताकि निर्णय के लिए प्रासंगिक आयामों के साथ डेटा का विश्लेषण किया जा सके।

४. प्रबंधन, पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण

४.१. अन्य लोगों की निगरानी करने की भूमिका में प्रमाण पत्र, दोनों क्रेडेंशियल और गैर क्रेडेंशियल प्रदाता, सम्मान, देखभाल और निष्पक्षता के साथ ऐसा करते हैं। प्रमाण पत्र को एबीए के क्षेत्र को बढ़ावा जानकार, सक्षम और नैतिक प्रमाण पत्र के आधार पर उम्मीदवारों को स्वयं ढाला जाना चाहिए।

४.२. दुनिया भर में एबीए के क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए, प्रमाण पत्र कम लागत में परामर्श और पेशेवर सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। लागत क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए एक स्लाइडिंग पैमाने पर नए प्रमाणित आईबीए और आईबीटी के आय मुद्दे का निर्णय लिया जाना चाहिए।

४.३. उम्मीदवारों को प्रशिक्षण आईबीएओ मानकों के आवश्यकताएं अनुरूप प्रदान किया जाता है जो अपेक्षित पर्यवेक्षण घंटे को पूरा करता है।

४.४. पर्यवेक्षण प्रदान करने वाले प्रमाण पत्र पर्यवेक्षी संबंध ग्राहक और अन्य हितधारक को ज्ञात करते हैं।

४.५. जब लक्ष्य संतोषजनक ढंग से पूरे हो गए हों, तो प्रमाणनकर्ता उचित रूप से पर्यवेक्षण आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण करते हैं और उम्मीदवार के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते हैं।

४.६. सर्टिफिकेट केवल अपनी क्षमता के दायरे में दूसरों के अभ्यास की निगरानी करते हैं।

४.७. यदि किसी भी समय कोई प्रमाण पत्र अपने उम्मीदवार को चाहे जानबूझकर या अन्यथा अनैतिक व्यवहार या अभ्यास में लिप्त देखता है, प्रमाणक स्पष्ट शब्दों में उम्मीदवार का ध्यान इसपर लाने के लिए बाध्य है। एक संकल्प पाया जाना चाहिए या व्यावसायिक संबंध समाप्त कर देना चाहिए। प्रमाणपत्रकर्ता यह सुनिश्चित करता है कि प्रशिक्षण उम्मीदवार के उद्देश्यों या प्रमाणन की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

५. सामाजिक जिम्मेदारी

५.१ विज्ञापन में सर्टिफिकेट सटीक कथनों का उपयोग करते हैं और केवल क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं परिणाम ईमानदार और संभावित परिणामों के अनुरूप हैं।

५.२ जब प्रमाण पत्र विज्ञापन के हिस्से के रूप में ग्राहक या सार्वजनिक समीक्षाओं का उपयोग करते हैं, तो वे समीक्षाएं संशोधित नहीं हैं और एकत्रित सभी समीक्षाओं के परिणामों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

५.३ यदि प्रमाण पत्र विज्ञापन में सार्वजनिक बयानों का उपयोग करते हैं, तो यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान दिया जाना चाहिए कि प्रमाणकर्ता ऐसी स्थिति में नहीं है जिसमें सेवा प्रावधान से संबंधित उनकी निष्पक्षता से समझौता किया गया हो।

५.४ यदि अवयवों के फोटो या वीडियो का उपयोग विज्ञापन में किया जाता है तो क्लाइंट अधिकारों और ऑनलाइन पोस्ट की जा रही उन तस्वीरों और वीडियो का भावनात्मक प्रभाव वर्तमान और भविष्य में फोटो या वीडियो के विषय की रक्षा करने के लिए होना चाहिए।

५.५ प्रमाणक अपनी अर्जित साख को सटीक रूप से दर्शाते हैं और प्रदर्शित करते हैं और केवल अच्छी स्थिति में अर्जित साख का उपयोग करते हैं।

५.६ सर्टिफिकेट्स को नैतिक व्यवहार का प्रदर्शन करके नैतिक संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए और जब उचित हो, व्यवहार के अधिक नैतिक तरीकों को पहचानने में दूसरों की मदद करना चाहिए।

५.७ सर्टिफिकेट यह सुनिश्चित करते हैं कि सोशल मीडिया पोस्ट किसी भी नैतिक दिशा-निर्देशों का उल्लंघन ग्राहक गोपनीयता और गोपनीयता अधिकारों सहित लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं न करें।

५.८ प्रमाणपत्र उपभोक्ताओं को उनकी आवाज के लिए उपयुक्त चैनलों के बारे में बताते हैं।

५.९ यदि उपभोक्ता चिंता या आलोचना की आवाज उठाते हैं, तो प्रमाण पत्र किसी पेशेवर में इसे स्वीकार करते हैं और ग्राहक के सर्वोत्तम हित में स्थिति को ठीक करने के तरीके पर काम करता है।

५.१० प्रमाणपत्रकर्ता केवल आईबीएओ और अन्य संगठन की उपयोग बौद्धिक संपदा का उपयोग अनुमति के साथ और ऐसे को नियंत्रित करने वाले स्थानीय कानूनों के अनुसार करते हैं। आईबीएओ की बौद्धिक संपदा के उपयोग के बारे में प्रश्न info@theibao.com को निर्देशित किया जाना चाहिए।

६. व्यावसायिक संबंध

६.१. सेवा प्रदान करने से पहले प्रमाणपत्र सभी पार्टियों को "ग्राहक" की पहचान करते हैं और ग्राहक बनाते हैं। प्रमाणपत्रकर्ता "ग्राहक" को सेवाओं के लिए भुगतान करने वाले व्यक्ति के रूप में नहीं सेवाओं के अंतिम प्राप्तकर्ता के रूप में परिभाषित करते हैं।

६.१. संगठन आई.बी.ए की सेवाओं के ग्राहक हो सकते हैं। सेवाओं के उदाहरण एक संगठन को प्रदान किया जाता है जब संगठन ग्राहक होता है, लेकिन यहीं तक सीमित नहीं होता, स्टाफ प्रशिक्षण, कार्यालय उत्पादकता बढ़ाने के लिए सुदृढीकरण कार्यक्रम, और व्यवहार सुरक्षा प्रशिक्षण भी होता है।

६.३. प्रमाणपत्रकर्ता अपने ग्राहक के सर्वोत्तम हित में कार्य करते हैं। सर्टिफिकेट केवल गैर-शोषक संबंध में शामिल होते हैं।

६.४. सर्टिफिकेटर्स को पता होना चाहिए कि कुछ दोहरे रिश्ते समस्याग्रस्त हो सकते हैं और सेवा प्रावधान में निष्पक्षता को सीमित करें। यदि इस प्रकार के दोहरे संबंध मौजूद हैं, प्रमाणपत्र शामिल सभी पक्षों को हितों के टकराव पुनर्विचार की संभावना और प्रभाव से अवगत कराते हैं। यदि वस्तुनिष्ठता क्षीण होती है, तो व्यावसायिक संबंध पर पुनर्विचार होना आवश्यक है।

६.५. प्रमाणपत्रकर्ता संविदात्मक दायित्वों, कानूनी दायित्वों, और अपने नियोक्ताओं के साथ कॉर्पोरेट दायित्व, उनके व्यवसाय के स्थानों में, और संबंधित सेवा प्रावधान के लिए का सम्मान करते हैं।

६.६. अन्य में पेशेवरों के साथ ग्राहक के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए अनुशासन और उपचार दल सहयोगी संबंधों में प्रमाणपत्र भाग लेते हैं।

६.७. जब प्रमाणपत्रकर्ता ग्राहकों या अन्य के साथ संविदात्मक संबंध बनाते हैं पार्टियों, अनुबंधों से जुड़ी लागत, वित्तीय व्यवस्था, और अन्य प्रासंगिक सेवा प्रावधान से पहले वित्तीय पहलुओं पर चर्चा की जाती है।

६.८. प्रमाणपत्र जब संभव हो व्यक्तियों के कदाचार और संगठन को चुनौती देते हैं। चुनौतियां मौखिक, लिखित या रिपोर्ट द्वारा हो सकती हैं। एबीए. के क्षेत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रमाण पत्र इन चुनौतियों में संलग्न हैं इसलिए इसे आम जनता की नजर में सर्वोत्तम संभव प्रकाश में रखा जाता है।

६.९. प्रमाणपत्रकर्ता विभिन्न तरीकों से उपयुक्त व्यावसायिक सीमाओं को बनाए रखते हैं। ए) यदि ग्राहक एक व्यक्ति है जो सीधे प्रमाणकर्ता की सेवाओं से लाभान्वित हो रहा है, सेवा समाप्त कर दी गई है उसके बाद कम से कम दो साल तक उस व्यक्ति के साथ एक प्लेटोनिक संबंध बनाए रखें।

बी) ग्राहक के देखभाल करने वालों और अन्य हितधारकों के साथ प्लेटोनिक संबंध बनाए रखें जब तक ग्राहक के साथ व्यावसायिक संबंध समाप्त नहीं हो जाते।

सी) यदि ग्राहक एक संगठन है, तो उन लोगों के साथ व्यावसायिक संबंध समाप्त होने तक प्लेटोनिक संबंध बनाए रखें।

७. प्रमाण पत्र की स्व-जिम्मेदारी

७.१ इन दिशानिर्देशों पर विचार करने के बाद, प्रमाणकर्ता के स्वार्थ जनता, ग्राहक, सभी संभावित हितधारक, और एबीए के क्षेत्र के बाद आते हैं। निर्णय लेने में महत्व के इस क्रम को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

७.२ जब ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जहां प्रमाणिक सेवा प्रावधान या व्यावसायिक संबंध में वस्तुनिष्ठ नहीं हो सकता है तब यह प्रमाणित करने वाले की जिम्मेदारी है कि इन शर्तों को पहचानें और एक समाधान खोजें जो ग्राहक की गरिमा को बनाए रखे और सभी हितधारकों के साथ-साथ क्षेत्र की रक्षा करे।

७.३. प्रमाणपत्रकर्ता उन स्थितियों का समाधान करते हैं जिनमें वस्तुनिष्ठता से समझौता किया गया है सेवाओं को अस्थायी या स्थायी रूप से किसी अन्य प्रदाता को हस्तांतरित करना, वैकल्पिक प्रदाताओं की सिफारिश करना, व्यवहार विश्लेषकों के साथ परामर्श करना अधिक विशिष्ट मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, या के माध्यम से पर्यवेक्षण प्राप्त कर रहा है मुद्दा जो वस्तुनिष्ठता की कमी का कारण बन रहा है।

८. अनुसंधान और प्रकाशन

८.१. संलग्न होने से पहले सभी प्रतिभागियों से अनुसंधान गतिविधियों में सूचित लिखित सहमति प्राप्त की जानी चाहिए। सभी शोध प्रतिभागियों की गोपनीयता बनाए रखी जानी चाहिए।

८.२. प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी का स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए और कैसे किसी भी समय और किसी भी कारण से उनकी भागीदारी समाप्त करें।

८.३. शोध के बाद डीब्रीफिंग होनी चाहिए जहां शोध के परिणाम बताये जाए और धोखे के किसी भी उपयोग का पता चले।

८.४. संस्थागत या स्थानीय आंतरिक समीक्षा समितियों को किसी भी शोध का प्रतिभागी भर्ती से पहले अनुमोदन करना होगा।

८.५. प्रकाशन क्रेडिट को योगदान प्रयास के क्रम में लेखकों को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना चाहिए।

८.६. व्यवहार में सभी स्थितियों में डेटा का सटीक रूप से प्रस्तुत शोध निष्कर्ष प्रतिनिधित्व किया जाना चाहिए।

८.७. प्रमाण पत्र केवल अपने मूल कार्य को अपने रूप में प्रस्तुत करते हैं। दूसरों के काम का उचित उद्धरण को एबीए में मौजूदा क्षेत्र मानकों का पालन करना चाहिए और उसके अनुसार होना चाहिए राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक समाज के प्रकाशन का नवीनतम संस्करण उस देश को नियंत्रित करने वाले दिशानिर्देश जिसमें शोध या लेखन हो रहा है।

समस्या समाधान का उपयोग करके नैतिक मुद्दों को हल करना

ए. मे इस बारे में बातचीत के बारे में म. इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स दौलत और श्वार्ट्ज (2018) बैड बैड पर बैटिंग है। यह मॉडल दुविधा और आसपास के मुद्दों की पहचान करना, संभव के साथ आना शामिल है हल, आँकड़ों का रीडिंग, और चुनें हल करने के लिए।

उन स्थितियों में जिनमें प्रमाणकर्ता विवादित महसूस करता है, प्रमाणकर्ता को यह करना चाहिए:

- १.) ध्यान रखें कि एक संघर्ष है। समझे जो दिशानिर्देश परस्पर विरोधी हो सकते हैं।
- २) सहकर्मियों, क्लाइंट, या देखभाल करने वाले के साथ संवाद की तलाश करें यदि ज़रूरी हो।
- ३) संभावित समाधानों की एक सूची बनाएं।
- ४) सहकर्मियों के साथ समाधानों पर चर्चा या मूल्यांकन करें, ग्राहक, या देखभाल करने वाला यदि आवश्यक हो और समाधान पर सहमत हों।
- ५) चुने हुए समाधान को लागू करें।
- ६) अपने निर्णय और परिणामों का मूल्यांकन करें और साझा करें जिनके साथ समस्या-समाधान प्रक्रिया में परामर्श किया गया था।

रोसेनबर्ग, एन.ई., श्वार्ट्ज, आई.एस. मार्गदर्शन या अनुपालन: क्या एक नैतिक बनाता है व्यवहार विश्लेषक? अभ्यास में व्यवहार विश्लेषण 12, 473-482 (2018)

समस्या समाधान का उपयोग करके नैतिक मुद्दों को हल करना

उदाहरण के लिए, एक आईबीएओ एक बुनियादद्वारा व्यवहार प्रबंधन कार्यक्रम लागू कर रहा था कार्य मांगों से बचकर आक्रामकता को कम करना। लागू करते समय अनुपालन सुनिश्चित करने और बच्चे को भागने से रोकने के लिए 3-चरणीय संकेतन प्रक्रिया जोर से रोने लगा, एक ऐसा व्यवहार जो बच्चे के प्रदर्शनों की सूची/इतिहास का हिस्सा नहीं था।

क्योंकि आई.बी.ए ने महसूस किया कि कोई विरोध हो सकता है, उसने समस्या का उपयोग करने का निर्णय लिया समाधान मॉडल, चरण 1 से शुरू करते हुए, "ध्यान रखें कि एक संघर्ष है। समझना कौन से दिशानिर्देश परस्पर विरोधी हैं।" आई.बी.ए ने नैतिक दिशानिर्देश के बीच विरोध महसूस किया जो "कोई नुकसान न करने" की सलाह देता है। और इस प्रकार के समर्थन करने वाले "वैज्ञानिक अभ्यास" का उपयोग करने के लिए नैतिक दिशानिर्देश गंभीर व्यवहार के प्रबंधन के लिए सुदृढीकरण-आधारित हस्तक्षेप। इन दोनों नैतिक दिशानिर्देश न्यायसंगत और निष्पक्ष हैं और फिर भी इस परिस्थिति में, वे परस्पर विरोधी प्रतीत होते हैं किसी न किसी तरह।

चरण 2 के भाग के रूप में, "सहकर्मियों, ग्राहक या देखभाल करने वाले के साथ संवाद की तलाश करें यदि आवश्यक," आईबीएओ ने एक साथी व्यवहार विश्लेषक से परामर्श किया, स्थिति का वर्णन किया और संभावित संघर्ष की उसकी भावनाएँ। अपने सहयोगी के साथ उस संवाद के माध्यम से, वह चरण 3 पर जारी रखा, "संभावित समाधानों की एक सूची बनाएं।" उसने संभावित समाधानों की एक सूची बनाई जिसमें शामिल थे: उपचार बंद करो और कोशिश करो अलग-अलग, सभी का इलाज एक साथ बंद करो और छात्र को मांगों से बचने दो, या मूल उपचार जारी रखें।

चरण 4 के लिए, "सहयोगियों, क्लाइंट, या के साथ समाधानों पर चर्चा या मूल्यांकन करें" यदि आवश्यक हो तो देखभाल करने वाली और समाधान पर सहमत हों," उसने संभावित समाधानों का मूल्यांकन किया एक के बाद एक। एक नए हस्तक्षेप की कोशिश करने के पहले विकल्प के लिए, उसने उस समय का वजन किया एक नया लागू करने के लिए डिजाइन करने, सहमति प्राप्त करने और कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए ले जाएगा हस्तक्षेप जिसका एक ही परिणाम हो सकता है। उसने नहीं सोचा था कि इससे इंकार होगा नैतिक दिशानिर्देशों में से कोई भी और उसे लगा कि वह उसी परिस्थिति में वापस आएगी आवश्यक हस्तक्षेप में देरी करते हुए। फिर उसने के दूसरे विकल्प पर विचार किया इलाज को पूरी तरह से रोक दिया। उसने फैसला किया कि हालांकि यह सबसे अधिक संभावना होगी कम रोने का परिणाम, यह दूसरों के प्रति आक्रामकता को कम नहीं करेगा, और इसकी संभावना होगी कई अन्य नैतिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है जिनका पालन करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया गया है। अंत में, वह तीसरा विकल्प माना जाता है, मूल उपचार के साथ जारी है। वह से जानती थी पिछले अनुभव और अन्य आईबीएओ के परामर्श से जो नकारात्मक भावनात्मक एस्केप विलुप्त होने का उपयोग करते समय प्रतिक्रिया देना असामान्य और अल्पकालिक दोनों नहीं हैं जब सकारात्मक सुदृढीकरण के साथ लागू किया गया जैसे कि उसके पास था हस्तक्षेप योजना। उसने यह तय करने के लिए अपने अच्छे निर्णय का भी इस्तेमाल किया कि "कोई नुकसान न करें" "कभी भी कोई असुविधा न करें" के रूप में व्याख्या नहीं की जानी चाहिए। यह परिणाम अधिक हानिकारक होगा बच्चे के आक्रामक बने रहने और शिक्षा के अवसरों को खोने के लिए अनुभव के रूप में।

चरण 5 के लिए, "चुने हुए समाधान को लागू करें," आईबीएओ ने जारी रखने का फैसला किया उसने मूल रूप से उपचार की योजना बनाई, और उसने इसे निष्ठा के साथ लागू किया।

समस्या समाधान का उपयोग करके नैतिक मुद्दों को हल करना

चरण ६ के भाग के रूप में, "अपने निर्णय और परिणामों का मूल्यांकन करें और उन लोगों के साथ साझा करें जो समस्या समाधान प्रक्रिया में परामर्श किया गया था, "हस्तक्षेप में होने के बाद कुछ दिनों के लिए, उसने यह देखने के अपने निर्णय पर विचार किया कि क्या उसने इसे बनाया है सही फैसला। कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप आक्रामकता में काफी कमी आई थी, क्लाइंट केवल कार्यान्वयन के पहले कुछ घंटों के लिए रोया था, और शैक्षिक लक्ष्यों की पूर्ति की जा रही थी। उसने निर्धारित किया कि यह एक था उपयुक्त विकल्प और खुश थी कि वह दोनों समझ गई और उसका पालन किया सरल समस्या समाधान मॉडल।

संक्षेपाक्षर –

IBAO- अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार विश्लेषण संगठन

IBT - अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार चिकित्सक

ABA - प्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण

BCBA- बोर्ड प्रमाणित व्यवहार विश्लेषक